Indian Express, Delhi, 12/10/2025
Page No: 16, Size: 11.80cm × 3.92cm

MARKET WATCH

OIL PRICES DECLINE ON WEEKLY BASIS

Houston: Brent and US crude futures fell more than $2 a barrel on Friday. Brent crude futures settled at $62.73 a barrel, down $2.49, or 3.82%, the lowest since May 5. US WTI crude finished at $58.90 a barrel down $2.61, or 4.24%, the lowest since early May. **REUTERS**

Pioneer, Delhi, 12/10/2025
Page No: 8, Size: 22.28cm × 9.82cm

US sanction 8 Indian for Iranian energy trade

ASSOCIATED PRESS n Washington

Eight Indian nationals and several India-based firms are among the over 50 entities and persons sanctioned by the US for allegedly facilitating Iranian energy trade, according to an official statement. The State Department imposed sanctions on approximately 40 entities, individuals and vessels to "deny the Iranian regime funds it uses to conduct its malign activity," the department said. While the Department of the Treasury's Office of Foreign Assets Control (OFAC) concurrently imposed sanctions on over 50 entities, persons and vessels involved in exporting Iranian petroleum and liquefied petroleum gas (LPG) to global markets. The lists released by the two departments included eight Indian nationals, who were added to Washington's list of "Specially Designated Nationals (SDN) and Blocked Persons".

Economic Times, Delhi, 12/10/2025
Page No: 3, Size: 19.45cm × 24.77cm

BPCL-Reliance BP to Jointly Sell CNG

Our Bureau

Mumbai: State-run Bharat Petroleum Corporation and Reliance BP Mobility (RBML) have agreed to collaborate in the city gas distribution (CGD) and compressed natural gas (CNG) sales segments.

RBML is an equal joint venture between UK's BP Plc and Reliance Industries in the mobility segment.

"It is crucial that the end customer receives our molecule, aligning with the broader vision of promoting a gas-based economy," said Rahul Tandon, business head for gas at BPCL. "This partnership will enhance our progress towards this national objective."

In a press statement, the companies said their collaboration will advance access to cleaner and more affordable fuel alternatives throughout India.

"It supports the government of India's ambition to raise the share of natural gas in the nation's energy mix from the current 6% to 15% by 2030 — highlighting the joint dedication of both organisations to promote sustainable mobility and the adoption of cleaner energy," the companies said.

RBML CEO Akshay Wadhwa said: "RBML outlets attract higher footfall, which will drive increased CNG sales in the area, thereby contributing to the overall goals of India's gas-based economy."

Virat Vaibhav, Delhi, 12/10/2025
Page No: 7, Size: 23.31cm × 18.76cm

अमेरिका ने ईरानी उर्जा व्यापार को निशाना बनाकर आठ भारतीय नागरिकों, कई कंपनियों पर बैन लगाया

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरानी ऊर्जा व्यापार में मदद करने के आरोप में 50 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए है, जिनमें आठ भारतीय नागरिक और भारत स्थित कई कंपनियां शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उपयोग किए जा रहे धन को रोकने के लिए लगभग 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने ईरानी पेट्रोलियम और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का वैश्विक बाजारों में निर्यात करने में शामिल 50 से अधिक संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन दोनों विभागों द्वारा जारी की गई सूचियों में आठ भारतीय नागरिकों के नाम शामिल हैं। इन्हें अमेरिका की स्पेशयली डेजिग्नेटेड नेशनल्स (एसडीएन) एंड ब्लॉक्ड पर्सन सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में शामिल लोग और कंपनियां अमेरिकी नागरिकों के साथ व्यापार नहीं कर सकते और उनके अमेरिका में प्रवेश पर भी प्रतिबंध होता है।

प्रतिबंधित लोगों में नीति उमेश भट्ट का नाम है, जिनकी भारत में स्थित कंपनी इंडिसोल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। पेट्रोकेमिकल का कारोबार करने वाली यह कंपनी जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच एक प्रतिबंधित अमेरिकी कंपनी से लगभग 7.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात कर चुकी है। पीयूष मगनलाल जाविया और उनकी कंपनी केमोविक प्राइवेट लिमिटेड पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने 2024 से 2025 के बीच एक प्रतिबंधित अमेरिकी कंपनी से 70 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया।

कमला कनयलाल कसाट, कुनाल कनयलाल कसाट और पूनम कुनाल कसाट का नाम भी सूची में है। उनकी कंपनी हरेश पेट्रोकैम प्राइवेट लिमिटेड ने जनवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच एक करोड़ अमेरिकी डॉलर के ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया।

इन तीनों व्यक्तियों और उनकी कंपनी पर प्रतिबंध लगाया गया है।

मार्शल आइलैंड में स्थित बर्था शिपिंग इंक के मालिक वरुण पुला पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

यह कंपनी कॉमरेस के ध्वज वाले जहाज पामिर को संचालित करती है, जिसने जुलाई 2024 से लगभग 40 लाख बैरल ईरानी एलपीजी की चीन तक ढुलाई की।

ईवी लाइंस इंक के मालिक एवं एक अन्य भारतीय नागरिक इयप्पन रजा भी इस सूची में शामिल हैं। उनकी कंपनी पनामा-ध्वज वाले जहाज सैफियर गैस को संचालित करती है। इस जहाज ने अप्रैल 2025 से चीन तक 10 लाख बैरल से अधिक ईरानी एलपीजी की ढुलाई की। कंपनी को भी प्रतिबंधित सूची में डाला गया है।

वेगा स्टार शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालिक सोनिया श्रेष्ठ और उनकी कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह कंपनी नेप्टा नामक कॉमरेस-ध्वज वाले जहाज का संचालन करती है, जिसने जनवरी 2025 से पाकिस्तान को ईरानी एलपीजी की ढुलाई की।

सूची में शामिल अन्य भारत-आधारित संस्थाओं में बी के सेल्स कॉर्पोरेशन, सी.जे. शाह एंड कंपनी, मोडी केम, पारीकेम सिसेर्सेज एलएलपी और शिव टेक्सकेम लिमिटेड शामिल है।

वित्त मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, इन संस्थाओं ने सामूहिक रूप से अरबों डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में मदद की है, जिससे ईरानी शासन को आतंकवादी समूहों का समर्थन करने के लिए जरूरी पैसा मिला। यह अमेरिका के लिए खतरा है।

Amar Ujala, Delhi, 12/10/2025
Page No: 17, Size: 31.41cm × 11.48cm

ईरानी तेल व्यापार पर निशाना, आठ भारतीय कंपनियों पर अमेरिका की पाबंदी

ईरान की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को रोकने के लिए 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान को तेल व्यापार में मदद करने के आरोप में एक दिन पहले 50 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए। पता चला है कि इनमें आठ भारतीय नागरिक और भारत स्थित कई कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उपयोग किए जा रहे धन को रोकने के मकसद से लगभग 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने ईरानी पेट्रोलियम और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का वैश्विक बाजारों में निर्यात करने में शामिल 50 से अधिक संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन दोनों मंत्रालयों द्वारा जारी की गई सूचियों में आठ भारतीय नागरिकों के नाम शामिल हैं। इन्हें अमेरिका की 'स्पेशयली डेजिग्नेटेड नेशनल्स (एसडीएन) एंड ब्लॉक्ड पर्सन' सूची में शामिल किया गया है। प्रतिबंधित भारतीयों में नीति उमेश भट्ट, पीयूष मगनलाल जाविया, कमला कनयलाल कसाट, कुनाल कनयलाल कसाट, पूनम कुनाल कसाट, वरुण पुला, इयप्पन राजा और सोनिया श्रेष्ठा शामिल हैं। ये लोग अमेरिका में व्यापार या प्रवेश नहीं कर पाएंगे। इन्होंने अरबों डॉलर के उत्पादों के निर्यात में मदद की। एजेंसी

नीति उमेश व पीयूष जाविया ने किया करोड़ों का आयात

प्रतिबंधितों में शामिल नीति उमेश भट्ट की भारत स्थित पेट्रोकेमिकल का कारोबार करने वाली कंपनी ईडिसोल मार्केटिंग प्रा. लिमि. शामिल है। यह जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच एक प्रतिबंधित अमेरिकी कंपनी से 7.4 करोड़ डॉलर के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीद चुकी है। पीयूष मगनलाल जाविया और उनकी कंपनी केमोविक प्रा. लिमि. पर 2024 से 2025 के बीच प्रतिबंधित अमेरिकी कंपनी से 70 लाख डॉलर के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीद चुकी है।

सोनिया की नेष्टा अन्य कंपनियां शामिल

वेगा स्टार शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालिक सोनिया श्रेष्ठा और उनकी नेष्टा नामक कंपनी ने कॉमरोस-ध्वज वाले जहाज का संचालन कर जनवरी 2025 से पाकिस्तान को ईरानी एलपीजी की ढुलाई की। अन्य भारत-आधारित संस्थाओं में बीके सेल्स कॉर्पोरेशन, सीजे शाह एंड कंपनी, मोडी केम, पारीकेम रिसोर्सेज एलएलपी और शिव टेक्सकेम लिमि. शामिल हैं, जिनसे ईरान को लाभ मिला।

कमला, कुनाल, पूनम राजा, वरुण भी शामिल

कमला कनयलाल कसाट, कुनाल कसाट और पूनम कुनाल कसाट की कंपनी हरेश पेट्रोकैम प्रा. लिमि. ने जनवरी 2024 से फरवरी 2025 में 1 करोड़ डॉलर के ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदे। मार्शल आइलैंड में बर्था शिपिंग इंक प्रमुख वरुण पुला की कंपनी कॉमरोस के ध्वज वाले जहाज पामिर को संचालित करती है। इसने जुलाई 2024 से 40 लाख बैरल ईरानी एलपीजी चीन पहुंचाई। ईवी लाइंस इंक प्रमुख इयप्पन राजा की कंपनी ने पनामा-ध्वज वाले जहाज सैफियर गैस द्वारा अप्रैल 2025 से चीन तक 10 लाख बैरल से अधिक ईरानी एलपीजी की ढुलाई की।